श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी

श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी.....

जिस दिन से मैंने देखो सांवरिया,
प्रीत की मैंने ओढ़ी चुनरिया,
मैं तो दिल में कारों बसाए बैठी,
श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी.....

मन ना लागे घर अंगना में,
हो गई बावरिया अब बिरहन में,
मैं तो सब कुछ अपना लुटाए बैठी,
श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी.....

घर की भूल गई मैं तो डगरिया,
ऐसा जादू डारो सांवरिया,
मैं तो सुध बुध अपनी भुलाए बैठी,
श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी.....

जित देखूं वह तो कारोही दीखै,
मोहनी सूरत वारो ही दिखे,
या छलिया पर मैं लुभाय बैठी,
श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी.....

एक दिन आधी रात को आयो,
अपने हाथों से मैंने माखन खिलायो,
मैं तो अपना ही माखन लुटाए बैठी,
श्याम प्यारे से नैना लड़ाए बैठी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30667/title/shyam-pyare-se-naina-ladaye-baithi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |